PRESS RELEASE

For Immediate Use

Hon'ble Prime Minister dedicates POWERGRID's two transmission projects and lays foundation stone for one project in Andhra Pradesh

01 August 2026, Visakhapatnam: Shri Narendra Modi, Hon'ble Prime Minister of India, laid the foundation stone for one transmission project and dedicated two significant transmission projects of Power Grid Corporation of India Limited (POWERGRID), a Maharatna PSU under the Ministry of Power, Government of India, marking another major milestone in India's clean energy transition.

On this occasion, Sh. S. Abdul Nazeer, Hon'ble Governor of Andhra Pradesh; Sh. Pusapati Ashok Gajapathi Raju, Hon'ble Governor of Goa; Sh. N. Chandrababu Naidu, Hon'ble Chief Minister of Andhra Pradesh; Sh. K. Pawan Kalyan, Hon'ble Deputy Chief Minister of Andhra Pradesh; Sh. Kinjarapu Rammohan Naidu, Hon'ble Union Minister of Civil Aviation; Dr. Chandra Sekhar Pemmasani, Hon'ble Union Minister of State for Rural Development and Communications; Sh. Bhupathi Raju Srinivasa Varma, Hon'ble Union Minister of State for Heavy Industries and Steel; and Sh. Nara Lokesh, Hon'ble Minister for Information Technology, Electronics & Communications, Human Resource Development and RTG, Government of Andhra Pradesh, were present.

The Hon'ble Prime Minister dedicated two key transmission projects implemented by POWERGRID. These include the transmission system for Kurnool wind energy zone / solar energy zone (Andhra Pradesh) – part-A & part-B, developed at an investment of approximately ₹3,547 crore, and the transmission system for solar energy zone in Ananthpuram (2,500 MW) and Kurnool (1,000 MW), developed at an investment of approximately ₹823 crore. These projects have been developed to facilitate the evacuation of renewable energy generated in the Kurnool and Ananthpuram renewable energy zones and its seamless transfer to beneficiaries across the National Grid.

The Hon'ble Prime Minister also laid the foundation stone for the transmission system for Integration of Kurnool-IV renewable energy zone (REZ) – phase-I (4.5 GW), to be developed at an investment of approximately ₹5,550 crore. The project will strengthen the transmission network for integrating an additional 4.5 GW of renewable energy from the Kurnool renewable energy zone into the National Grid.

The commissioning of the two transmission projects and the foundation stone laying of the Kurnool-IV REZ transmission system represent another significant step towards strengthening India's green energy infrastructure. These transmission systems will facilitate the transfer of renewable energy across the country and make a substantial contribution towards achieving India's target of 500 GW of non-fossil fuel-based installed capacity by 2030, thereby accelerating the nation's clean energy transition.

As on 30th June 2026, POWERGRID has commissioned and is operating 291 substations, 1,86,595 circuit kilometres (ckm) of transmission lines and 6,34,516 MVA of transformation capacity. With the adoption of advanced technologies, enhanced automation and digital solutions, POWERGRID has consistently maintained over 99.80% transmission system availability

Issued by:
Team Corporate Communications
Follow us on twitter: @pgcilindia
www.powergrid.in
e-mail: powergrid.pr@powergrid.in

प्रेस विज्ञप्ति

तत्काल उपयोग के लिए

माननीय प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश में पावरग्रिड की दो ट्रांसमिशन परियोजनाओं का राष्ट्र को समर्पण किया तथा एक परियोजना की आधारशिला रखी

01 अगस्त 2026, विशाखापत्तनम: माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश में पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड), विद्युत मंत्रालय के अधीन एक महारत्न सार्वजनिक उपक्रम, की दो महत्वपूर्ण ट्रांसमिशन परियोजनाओं का राष्ट्र को समर्पित किया तथा एक नई ट्रांसमिशन परियोजना की आधारशिला रखी। यह भारत की स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन यात्रा एवं हरित ऊर्जा अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस अवसर पर श्री एस. अब्दुल नज़ीर, माननीय राज्यपाल, आंध्र प्रदेश, श्री पुसापति अशोक गजपति राजू, माननीय राज्यपाल, गोवा, श्री एन. चंद्रबाबू नायडू, माननीय मुख्यमंत्री, आंध्र प्रदेश, श्री के. पवन कल्याण, माननीय उपमुख्यमंत्री, आंध्र प्रदेश, श्री किंजारापु राममोहन नायडू, माननीय केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री, डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, माननीय केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री, श्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा, माननीय केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात राज्य मंत्री तथा श्री नारा लोकेश, माननीय सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, मानव संसाधन विकास एवं आरटीजी मंत्री, आंध्र प्रदेश सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

माननीय प्रधानमंत्री ने पावरग्रिड द्वारा विकसित दो प्रमुख ट्रांसमिशन परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। इनमें लगभग ₹3,547 करोड़ की लागत से विकसित " कर्नूल विंड एनर्जी ज़ोन/सोलर एनर्जी ज़ोन (आंध्र प्रदेश) ट्रांसमिशन प्रणाली – भाग-A एवं भाग-B" तथा लगभग ₹823 करोड़ की लागत से विकसित "अनंतपुरम (2,500 मेगावाट) एवं कर्नूल (1,000 मेगावाट) सोलर एनर्जी ज़ोन हेतु ट्रांसमिशन प्रणाली" शामिल हैं। इन परियोजनाओं का विकास कर्नूल एवं अनंतपुरम नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में उत्पादित हरित ऊर्जा की निर्बाध निकासी तथा राष्ट्रीय ग्रिड के माध्यम से देशभर के लाभार्थियों तक इसके सुचारु पारेषण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है।

इसके साथ ही माननीय प्रधानमंत्री ने लगभग ₹5,550 करोड़ की लागत से विकसित की जाने वाली " कर्नूल -IV नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र (आरईज़ेड) – चरण-I (4.5 गीगावाट) के एकीकरण हेतु ट्रांसमिशन प्रणाली" की आधारशिला भी रखी। यह परियोजना कर्नूल नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से अतिरिक्त 4.5 गीगावाट हरित ऊर्जा के राष्ट्रीय ग्रिड में एकीकरण हेतु अंतर्राज्यीय ट्रांसमिशन नेटवर्क को और सुदृढ़ करेगी। इन दो ट्रांसमिशन परियोजनाओं के राष्ट्र को समर्पण तथा कर्नूल -IV आरईज़ेड ट्रांसमिशन प्रणाली की आधारशिला भारत की हरित ऊर्जा अवसंरचना को सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। ये ट्रांसमिशन प्रणालियाँ देशभर में नवीकरणीय ऊर्जा के प्रभावी पारेषण को सक्षम बनाएंगी तथा वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्थापित विद्युत क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान देंगी, जिससे भारत की स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन यात्रा को और गति मिलेगी।

30 जून 2026 तक पावरग्रिड 291 सब-स्टेशनों, 1,86,595 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनों तथा 6,34,516 एमवीए ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता को कमीशन कर प्रचालित कर रहा है। उन्नत प्रौद्योगिकियों, स्वचालन तथा डिजिटल समाधानों के प्रभावी उपयोग के माध्यम से पावरग्रिड ने लगातार 99.80% से अधिक ट्रांसमिशन प्रणाली उपलब्धता बनाए रखी है।

टीम कॉर्पोरेट संचार
हमें लिटर पर फॉलो करें: @pgcilindia
www.powergrid.in
ई-मेल: powergrid.pr@powergrid.in